सहपिडिया-यूनेस्को योजना शोधवृत्ति- 2019

अनुबंध 2

सहपिडिया-यूनेस्को 2019 शोधवृत्ति के मापदंड

- प्रस्ताव की भाषा तथा अभ्यर्थी द्वारा जमा किया लेखन नमूना
- भेजे गए विडियो के आधार पर कैमरा से संबंधित कौशल, दृश्य तथा कथानक की परख
- स्त्रोत, सामुच्च्य की समझ तथा जमा किये गए संदर्भों की विविधता
- शोध-विषय के लक्ष्य को ले कर स्पष्टता
- शोध के लिए चुने गए प्रदेयों के प्रति स्पष्टता
- प्रस्ताव तथा विषय-वस्तु में एकरूपता
- शोध का विषय एवं इसकी प्रासंगिकता

शोध-क्षेत्र

2003 में यूनेस्को की अंतर्राष्ट्रीय बैठक में अमूर्त सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण (जिसे अब यूनेस्को 2003 सम्मलेन के नाम से जाना जाता है) के लिए बनाई गयी प्रतिनधि सूची एवं अविलंब संरक्षण सूची की जानकारी के लिए इस लिंक https://ich.unesco.org/en/lists पर क्लिक करें.

- आवेदक इस सूची की पड़ताल कर के अपने शोध के लिए इन विषयों को आधार बना सकते हैं.
- विषय-वस्तु मूल रूप से भारतीय सांस्कृतिक धरोहर एवं ज्ञान पद्धति पर केंद्रित होनी चाहिए
- शोधवृत्ति के अंतर्गत आवेदक अपनी रूचि या विशेषज्ञता के अनुरूप अमूर्त सांस्कृतिक धरोहरों के बारे में शोध व दस्तावेज़ीकरण कर सकते हैं